कहां हो तुम चले आओ

कहां हो तुम चले आओ,मोहब्बत का तकाज़ा है
ग़में दुनिया से घबराकर,तुम्हें दिल ने पुकारा है

तुम्हारी बैरूख़ी इक दिन,हमारी जांन ले लेगी
कसम तुमको ज़रा सोचो,के दसतुरे वफ़ा क्या है
ग़में दुनिया से घबराकर,तुम्हें दिल ने पुकारा है
कहां हो तुम चले आओ,मोहब्बत का तकाज़ा है
ग़में दुनिया से घबराकर,तुम्हें दिल ने पुकारा है
कहां हो तुम...

ना जानें किस लिए दुनिया की नज़रें,फ़िर गई हमसे
तुम्हें देखा तुम्हें चाहा,कसूर इसके सिवा क्या है
ग़में दुनिया से घबराकर,तुम्हें दिल ने पुकारा है
कहां हो तुम चले आओ,मोहब्बत का तकाज़ा है
ग़में दुनिया से घबराकर,तुम्हें दिल ने पुकारा है
कहां हो तुम...

ना है फ़रियाद होटों पर,ना आंखों में कोई आसूं
ज़माने से मिला जो ग़म,उसे गीतों में गाया है
ग़में दुनिया से घबराकर,तुम्हें दिल ने पुकारा है
कहां हो तुम चले आओ,मोहब्बत का तकाज़ा है
ग़में दुनिया से घबराकर,तुम्हें दिल ने पुकारा है
कहां हो तुम...

बाबा धसका पागल पानीपत
संपर्कसुत्र-720652600

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35571/title/kahan-ho-tum-chale-aao

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |